दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 28.08.2022

प्रकाशनार्थ

28 अगस्त, 2022 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर में युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला के चौथे दिन **"समाज व राष्ट्र के उत्थान में संत–समाज का योगदान"** विषय पर बोलते हुए प्रो. कमान सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि भारत के संत समाज एवं महापुरूषों ने सदियों से ही राष्ट्रीय एकता के निर्माण में अपना योगदान दिया है तथा मानव सभ्यता के विकास में संतों ने अहम भूमिका निभाई है, और समय–समय पर मानव इतिहास को नई दिशा भी दी है। उसी परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ का भी नाम है जिसका धर्म, समाज एवं राष्ट्र उत्थान के साथ राजनीति से भी गहरा रिश्ता है। अनादि काल से ही हमारा भारत वर्ष एक महान राष्ट्र के रूप में दुनिया में प्रसिद्ध रहा है। भारतीय संस्कृति की सर्वाधिक प्रमुख विशेषताएँ हैं आत्मशुद्धि अर्थात् स्वयं के शुद्धिकरण और इसमें युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का विशेष योगदान रहा है।

महन्तद्वय का पुरा जीवन राष्ट्र धर्म, समाज, संस्कृति, शिक्षा व समाज सेवा के माध्यम से लोक कल्याण को समर्पित रहा है। सामजिक एकता और उत्थान के निमित्त आप दोनों का शैक्षिक जागरण पर सर्वाधिक जोर रहा है। उसी परम्परा के सम्वाहक वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी अपराधमुक्त एवं विकसित समाज के निर्माण में अपने को समर्पित किया है। उत्तर प्रदेश में अपराधमुक्त समाज के लिए जीरो टालरेन्स की नीति एवं मोदी जी के जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान एवं जय अनुसन्धान के उद्देश्य को पुरा करने के लिए बी.एससी. पास शोधर्थियों के लिए उत्तर प्रदेश मुख्य मंत्री फेलोशिप योजना के अन्तर्गत तीस हजार रुपये प्रति माह शोध–छात्रवृत्ति लागू की है। गन्ना किसानों और चीनी मिलों के उत्थान के लिए लगभग 50 लाख गन्ना किसानों को सरकार ने शेयर सर्टिफिकेट दिये हैं। इसके साथ ही गन्ने के परामर्श मूल्य में भी बढोत्तरी की है। योगी सरकार के इन विशेष प्रयासों से आने वाले समय में भारत चीनी का पहला उत्पादक देश होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि योगी जी के शासन से पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों में गिना जाता था, अपने प्रशासनिक कौशल से निर्णय लेने की क्षमता ने उत्तर प्रदेश से अपराध पर अंकुश लगा है। उत्तर प्रदेश की पुरी अर्थ व्यवस्था काफी मजबूत हुई है। वर्तमान में युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के विचारों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सामाजिक समरसता, राष्ट्रवाद की भावना तथा जनता की सुविधा के लिए शिक्षण–प्रशिक्षण, चिकित्सा प्रौद्योगिकी तथा कृषि की उन्नति के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ–साथ तकनीकि शिक्षा को प्रोत्साहित किया है और वर्तमान में गोरक्षपीठ से सम्बन्धित लगभग चार दर्जन से अधिक संस्थाएँ जनमानस की सेवा में समर्पित हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमलेश मौर्य एवं आभान ज्ञापन श्री अनिल भाष्कर ने किया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. अनूप राय, डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. संजीत सिंह, डॉ. अनुपमा मिश्रा, श्री जीतेन्द्र पाण्डेय सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी
सूचना एवं जनसम्पर्क